दैनिक
क्रांति समय
RNI.No. : GUJHIN/2018/75100
संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्षः 02 अंकः 139, शुक्रवार, 14 जून, 2019, पेजः 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुर्घटनाग्रस्त एएन-32 विमान में सवार सभी 13 लोगों के शव बरामद, ब्लैक बाक्स भी मिला

नई दिल्ली । अरुणाचल प्रदेश में दुर्घटनाग्रस्त हुए एएन-32 विमान में सवार सभी 13 लोगों के शव बरामद कर लिए गए है और उन्हें लाने के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके अलावा ब्लैक बाक्स भी बरामद कर लिया गया है। इससे पहले भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने 13 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की थी। यह विमान अरुणाचल प्रदेश में तीन जून को दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। आईएएफ ने ट्वीट किया, बचाव दल के आठ सदस्य आज सुबह दुर्घटना स्थल पर पहुंच गए। आईएएफ को यह बताते हुए दुख हो रहा है कि एएन-32 की दुर्घटना में कोई भी जीवित नहीं बचा है। इसमें कहा गया, वायुसेना दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वाले बहादुर वायु योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करती है..और मृतकों के परिवारों के साथ खड़ी है। उनकी आत्मा को शांति मिले। भारतीय वायुसेना ने मृतकों की पहचान जी.एम. चार्ल्स, एच.विनोद, आर.थापा, ए.तंवर, एस. मोहंती, एम.के. गर्ग, के.के. मिश्रा, अनूप कुमार, शेरिन, एस.के. सिंह, पंकज, पुताली और राजेश कुमार के रूप में की है। वायु सेना ने मंगलवार को लापता वाहक के मलबे की पहचान की। यह लिपो से 16 किमी उत्तर में व समुद्र तल से 12,000 फीट की ऊंचाई पर था। मलबे का पता एमआई-17 हेलीकॉप्टर से आठ दिनों बाद एक व्यापक तलाशी अभियान के बाद चला। एएन-32 विमान ने असम के जोरहाट से तीन जून को अरुणाचल प्रदेश के मेचुका एडवांस्ड लैंडिंग ग्रांउड के लिए उड़ान भरी थी।

पहला कॉलम

अन्ना हजारे को शाहू पुरस्कार से किया जाएगा सम्मानित

कोल्हापुरः प्रसिद्ध गांधीवादी और सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे को इस वर्ष प्रतिष्ठित राजर्षि शाहू पुरस्कार के लिए चुना गया है। जिलाधिकारी और शाहू छत्रपति मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष दौलत देसाई ने पुरस्कार के लिए हजारे के नाम की घोषणा की है। पुरस्कार के रूप में एक लाख रुपए नकद, मानपत्र और मान चिह्न प्रदान किया जाएगा। देसाई ने बुधवार को कहा कि हजारे को सम्मानित करने के लिए ट्रस्ट ने उनके समाज के प्रति सराहनीय योगदान तथा रालेगण सिद्धी गांव में स्वच्छता तथा जल प्रबंधन और सामाजिक सामंजस्य पर जोर देने के लिए चुना है। हजारे ने सूचना अधिकार के लिए सफल आंदोलन किया और इस पर एक पुस्तक भी लिखी। इस आंदोलन के कारण सरकार को आरटीआई के लिए एक कानून पारित करना पड़ा। हजारे ने भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन किया और लोगों में जागरुकता फैलाई। जनलोकपाल बनाने के लिए उन्होंने भूख हड़ताल भी की।

कश्मीरी पंडितों ने नैंका नेता फारुक अब्दुल्ला के सामने लगाए 'मोदी-मोदी' के नारे

श्रीनगर । नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला को उस समय शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा जब वह श्रीनगर के ज्येष्ठा देवी श्राइन मंदिर में पहुंचे थे। फारूक अब्दुल्ला के पहुंचते ही वहां मौजूद लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में नारे लगाने शुरू कर दिए। हालांकि फारूक सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के अनुसार अब्दुल्ला के समर्थकों ने वहां मौजूद भीड़ को बहुत समझाने का प्रयास किया लेकिन वह माने नहीं और मोदी-मोदी के नारे लगाते रहे। हुआ कुछ यूं कि कश्मीर घाटी के नजदीक स्थित ज्येष्ठा देवी श्राइन मंदिर हमेशा से कश्मीरी पंडित दर्शन पूजा करने पहुंचते हैं। उसी जगह एन.सी. नेता फारूक अब्दुल्ला भी पहुंचे थे। फारूक के पहुंचने से पूर्व ही वहां पर कश्मीरी पंडित का जमावड़ा लगा था जिसमें पुरूषों सहित महिलाएं भी शामिल थी। एन.सी. नेता को देख, वहां मौजूद कश्मीरी पंडितों ने 'जिंदाबाद, हर-हर महादेव' के नारे लगाने शुरू कर दिए। लोगों की भीड़ देख फारूक शांत रहें और उनके समर्थक भीड़ को ये समझाने की कोशिश करते रहे कि एन.सी. नेता को एक बार सुन ले कि वह क्या कहना चाहते हैं। इसके बाद भीड़ ने फिर से 'मोदी जिंदाबाद, मोदी-मोदी' के नारे लगाने शुरू कर दिए। ये सिलसिला काफी देर तक जारी रहा और लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारे लगा रहे थे।

तूफान वायु के असर से द्वारकाधीश मंदिर के शिखर पर पहली बार लगी दो धर्म ध्वजाएं

द्वारका । गुजरात के निकट से गुजर रहे चक्रवाती तूफान वायु के असर के कारण प्राचीन और विश्वविख्यात द्वारका के जगत अथवा द्वारकाधीश मंदिर के ऊपर इसके इतिहास में संभवतः पहली बार दो ध्वज लगाये गये हैं। हिंद महासागर के तट पर स्थित मंदिर के शिखर पर इसके प्रशासन और प्रबंधन के निर्देश पर दो ध्वज लगाये गये हैं ताकि वायु तूफान के असर से बह रही बेहद तेज हवा के चलते अगर एक ध्वज को नुकसान भी पहुंचे तो दूसरा लहराता रहे। मंदिर के एक पुजारी ने बताया कि उसने अपने जीवन में पहली बार ऐसा दृश्य देखा है जब शिखर पर दो ध्वज लहरा रहे हों। ज्ञातव्य है कि तूफान के असर से समुद्र में ऊंची लहरे उठ रही हैं और 70 से 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं बह रही हैं। जैसे जैसे तूफान और निकट आयेगा यह रफतार और बढ़ सकती है।

बिश्केक में मिले पीएम मोदी और शी जिनपिंग, मुलाकात में उठा मसूद और पाकिस्तान का मुद्दा

बिश्केक (किर्गिस्तान) (एजेंसी)।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के बिश्केक शिखर सम्मेलन में पीएम नरेंद्र मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई करनी चाहिए, जिसका असर भारत से शांतिपूर्ण द्विपक्षीय संबंध बनाने के माहौल पर पड़ रहा है। इस मुद्दे के चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक के दौरान सामने आने पर मोदी ने यह बात कही। दोनों नेताओं के बीच हुई संक्षिप्त बातचीत में भारत ने पाकिस्तान को आतंक पर कड़े कदम उठाने की जरूरत पर बल दिया। विदेश सचिव विजय गोखले ने मोदी व शी के बीच मुलाकात के बाद मीडिया से कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाने के प्रयास किए थे, लेकिन उसे पटरी से हटा दिया गया। मोदी व शी ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर बैठक की। जब यह पूछा गया कि क्या मोदी व शी के बीच वार्ता के दौरान पाकिस्तान व आतंकवाद के मुद्दे सामने आए तो गोखले ने कहा, 'इस पर संक्षिप्त चर्चा हुई।' विदेश सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की स्थिति लगातार यही बनी हुई है कि वह पाकिस्तान के साथ शांतिपूर्ण संबंध चाहता है। मोदी ने शी से कहा कि पाकिस्तान को 'आतंक से मुक्त माहौल बनाने की जरूरत है, लेकिन अभी तक हम ऐसा होते नहीं देख रहे हैं।' यह स्पष्ट संदेश मोदी द्वारा चीन को इस पृष्ठभूमि में दिया गया जिसमें चीन लगातार भारत और पाकिस्तान के संबंधों को बेहतर बनाने की पहल करने के लिए कहता रहा है। चीन अपने को पाकिस्तान का सदाबहार दोस्त मानता है। इसके बाद भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई।

पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच मुलाकात हुई। शंघाई सहयोग संगठन के 2019 का शिखर सम्मेलन किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आज से शुरू हुआ है जो 14 जून तक चलेगा।

भारत उठाने जा रहा ऐतिहासिक कदम, अंतरिक्ष में भेजेगा सौर और शुक्र मिशन

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए अगले वर्ष छह माह के भीतर सौर मिशन तथा अगले दो-तीन वर्ष में शुक्र मिशन भेजने की घोषणा की है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपना अंतरिक्ष केंद्र स्थापित करने का भी निर्णय लिया है। इसरो के अध्यक्ष डॉ. के सिवन ने गुरुवार को यहाँ पत्रकारों को यह जानकारी दी। चंद्रयान भाग-दो की तिथियों की घोषणा के एक दिन बाद इसरो के इस एलान से देश का गौरव और बढ़ा है। अंतरिक्ष विभाग के राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि अंतरिक्ष में देश के पहले मानव मिशन गगनयान के लिए अंतरिक्ष यात्रियों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है और अगले छह महीने के भीतर चयन प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से भारतीय मिशन होगा। गगनयान के एक-एक कलपूर्जे से लेकर इसमें काम आने वाली सभी चीजें और इससे जुड़े सभी वैज्ञानिक भी भारतीय होंगे। डॉ. शिवन ने बताया कि अंतरिक्ष यात्रियों का आरंभिक प्रशिक्षण और मॉड्यूल विशेष का प्रशिक्षण देश में ही दिया जायेगा जबकि विशेष प्रशिक्षण के लिए यदि जरूरत हुई तो अंतरिक्ष यात्रियों को विदेश भी भेजा जा सकता है। गगनयान का प्रक्षेपण दिसंबर 2021 में होना है।

गुजरातः चक्रवात 'वायु' ने बदला रास्ता, अरब सागर की ओर मुड़ा, ऑरेंज अलर्ट जारी

(एजेंसी):

मौसम विभाग ने गुरुवार को कहा कि चक्रवात 'वायु' ने अपना रास्ता बदल लिया है और अब इसके गुजरात तट से टकराने की संभावना नहीं है। यह अरब सागर की ओर मुड़ गया। हालांकि गुजरात में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं गुजरात के तटीय इलाकों के आसपास तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम राजीवन ने कहा, ''इसके (चक्रवात वायु के) तट से टकराने की संभावना नहीं है। यह केवल तट के किनारे से गुजरेगा। इसके मार्ग में हल्का बदलाव आया है। लेकिन, इसका प्रभाव वहां होगा, तेज हवाएं चलेंगी और भारी बारिश होगी।'

मौसम विज्ञान विभाग के अतिरिक्त महानिदेशक देवेंद्र प्रधान ने बताया कि चक्रवात समुद्र में रहेगा और गुजरात तट के किनारे-किनारे गुजरेगा। प्रधान ने कहा कि इसने थोड़ा-सा पश्चिम की तरफ रुख कर लिया है लेकिन खतरा टला नहीं है।चक्रवात चेतावनी प्रभाग ने सुबह साढ़े आठ बजे के बुलेटिन में कहा, ''काफी संभावना है कि यह कुछ समय तक उत्तर-उत्तर पश्चिमी दिशा की तरफ चलेगा और फिर उत्तर पश्चिमी दिशा में सौराष्ट्र तट के किनारे से गुजरेगा जिससे गिर सोमनाथ, दीव, जूनागढ़, पोरबंदर और देवभूमि द्वारका प्रभावित होंगे । इस दौरान 135 से 145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी जो 13 जून को दोपहर बाद 160 किलोमीटर प्रति घंटे रफ्तार की हवाओं में तब्दील हो सकती हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 45 सदस्यों वाले राहत दल की करीब 52 टीमें गठित की गई हैं और सेना की दस टुकड़ियों को तैयार रखा गया है। इसके अलावा भारतीय नौ सेना के युद्धपोतों और विमानों को भी तैयार रहने को कहा गया है। इसे देखते हुए दस जिलों में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

बैलेट पेपर से दोबारा लोकसभा चुनाव कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

(एजेंसी):

हाल ही में सपन्न हुए लोकसभा चुनाव को रद्द करने के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका दाखिल की गई है। सुप्रीम कोर्ट में वकील एम एल शर्मा ने याचिका दायर करते हुए लोकसभा चुनाव रद्द करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपल्स (आरपी) एक्ट के तहते चुनाव केवल बैलेट पेपर से ही हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने मांग की है कि इन चुनाव परिणामों को खारिज किया जाए और बैलेट पेपर के जरिए नए चुनाव कराए जाएं। शर्मा ने याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की है। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2019 हाल ही में संपन्न हुए हैं, जिसमें भारतीय जनता पार्टी ने 303 सीटें जीतकर एक बार फिर सत्ता में आई है। वहीं, कांग्रेस पार्टी को महज 52 सीट पर आकर सिमट गई। लोकसभा चुनाव से पहले और लोकसभा चुनाव के बाद विपक्षी पार्टियां लगातार ईवीएम पर सवाल खड़े करती आ रही हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से मतदान कराने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि हम मशीन नहीं चाहते, हमारी मांग है कि कागज के मतपत्र वाले युग की वापसी हो। हम एक आंदोलन शुरू करेंगे और यह बंगाल से शुरू होगा। ममता बनर्जी ने कहा था कि मैं सभी विपक्षी 23 राजनीतिक दलों से कहूंगी कि वे साथ आएं और बैलेट पेपर की वापसी की मांग करें। अमेरिका जैसे देश में भी ईवीएम पर प्रतिबंध लगा हुआ है। उन्होंने कहा था कि लोकतंत्र बचाओ, हमें ईवीएम नहीं चाहिए, बैलेट पर लौटो। ईवीएम पर एक तथ्य खोज समिति बननी चाहिए।

अमित शाह दिसंबर तक बने रहेंगे भाजपा अध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)

नव नियुक्त गृहमंत्री अमित शाह दिसंबर तक भाजपा अध्यक्ष के पद पर बने रहेंगे। बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा विधानसभा चुनावों में वह पार्टी का नेतृत्व करेंगे। भाजपा के पदाधिकारियों की शाह की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें पार्टी के संगठनात्मक चुनाव संबंधी चर्चा की गयी। बैठक में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में नया सदस्यता अभियान शुरू किया गया और 20 प्रतिशत नये सदस्य बनाने का फैसला किया गया है। नए भाजपा अध्यक्ष के संबंध में पूछे गये प्रश्न के उत्तर में पार्टी नेताओं ने कहा कि सदस्यता अभियान संगठन के चुनावों की पहली प्रकृया है। सूत्रों ने बताया कि शाह के दिसंबर तक पार्टी अध्यक्ष के पद पर बने रहने की संभावना है ताकि वह इस वर्ष तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों का नेतृत्व कर सकें। अमित शाह ने 2014 के आम चुनावों में राज्य की जीत के शीघ्र बाद भाजपा अध्यक्ष का पद संभाला था। 31 मई को शाह के गृहमंत्री नियुक्त किये जाने के बाद नए भाजपा अध्यक्ष के चयन की अटकलें तेज हो गयी थी मगर अब ऐसा दिखाई देता है कि नया भाजपा अध्यक्ष अगले साल के शुरू में मिलेगा।

अनंतनाग हमले में शहीद सीआरपीएफ कर्मियों को दी गई श्रद्धांजलि, देश नहीं भूलेगा शहादत

श्रीनगर । अनंतनाग में बुधवार को फिदायिन हमले में शहीद हुये पांच सीआरपीएफ कर्मियों को वीरवार को श्रद्धांजलि दी गई। यह सब उस समय मौत का ग्रास बन गये जब आतंकियों ने आक्सफोर्ड स्कूल के पास घात लगाकर सीआरपीएफ और पुलिस की पेट्रोल पार्टी पर हमला किया। जिन जवानों ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिये उनमें एएसआई रमेश कुमार, एएसआई निरोद शर्मा, सीटी सतेन्द्र कुमार, सीटी महेश कुमार और सीटी संदीप यादव शामिल हैं। हमले में एसएचओ गंभीर रूप से घायल हुआ है और उसे दिल्ली शिफ्ट किया गया है।

ममता का चार घंटे का अल्टीमेटम बेअसर, कई डॉक्टर्स ने दिया इस्तीफा

कोलकाता (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में तीन दिन से हड़ताल कर रहे जूनियर डॉक्टर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के चार घंटे में ड्यूटी पर लौटने अथवा अनिवार्य सेवा रखरखाव अधिनियम (एस्मा) के तहत खामियाजा भुगतने के अल्टीमेटम को दरकिनार कर आंदोलन पर कायम हैं और कई वरिष्ठ डॉक्टरों ने सामूहिक इस्तीफा देने का निर्णय लिया है। ममता बनर्जी के अल्टीमेटम के बाद सागर दत्ता अस्पताल के तीन असिस्टेंट प्रोफेसर, एक प्रोफेसर और चार डॉक्टरों ने इस्तीफा दे दिया है। डॉक्टरों की गैरमौजूदगी के कारण एनआरएस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में तीन मरीजों की मौत की सूचना है। उत्तर बंगाल से मिली एक रिपोर्ट के मुताबिक नॉर्थ बंगाल मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में डॉक्टरों की हड़ताल के कारण पिछले 24 घंटों के दौरान 15 मरीजों की मौत हो गयी हालांकि इस आंकड़े की आधिकारिक पुष्टि नहीं की जा सकी है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर 24 परगना के कमरहाटी में सागर दत्ता मेमोरियल अस्पताल के आठ वरिष्ठ डॉक्टरों ने जूनियर सहयोगियों के समर्थन में इस्तीफा देने का फैसला किया है। इस बीच जूनियर डॉक्टरों का छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री की ओर से अल्टीमेटम मिलने के बाद राज्यपाल के एस त्रिपाठी से मुलाकात के लिए गुरुवार को राजभवन जाएगा।हड़ताली डॉक्टरों का आरोप है कि हड़ताल के 60 घंटे बीत जाने के बाद भी उनकी मांगों पर कोई विचार नहीं किया गया है। उनकी मांगे मानने की बजाय मुख्यमंत्री कड़ी कार्रवाई की धमकी दे रही हैं। डॉक्टरों ने बताया कि उन्होंने सरकारी अस्पतालों में सुरक्षा और काम के अनुकूल माहौल समेत पांच सूत्री मांगें रखी हैं। इन मांगों पर कोई विचार नहीं किया गया है। डॉक्टरों ने बनर्जी के इन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि हड़ताल में कई बाहर वाले भी शामिल हैं। गौरतलब है कि सोमवार रात पश्चिम बंगाल के एनआरएस अस्पताल में एक मरीज की मौत हो जाने के बाद मरीज के परिजनों ने एक जूनियर डाक्टर के साथ बुरी तरह मारपीट की थी और उसके सिर में गंभीर चोट आई थी । डाक्टर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

संसद में तीन तलाक विधेयक का विरोध करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि वह संसद में तीन तलाक विधेयक का विरोध करेगी। कांग्रेस ने कहा कि विधेयक के कुछ प्रावधानों पर चर्चा की जरूरत है।कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य और प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, 'तीन तलाक पर हमने कुछ बुनियादी मुद्दे उठाए हैं। सरकार कई बिंदुओं पर सहमत हुई है।' उन्होंने कहा, 'बहुत सारा समय बच सकता है अगर सरकार हमारे पहले के बिंदुओं पर सहमत हो गई होती।' सिंघवी ने कहा, 'अभी भी एक या दो बिंदु बचे हैं..और उन बिंदुओं पर चर्चा की जरूरत है। हम इसका (विधेयक का) विरोध करेंगे।' सिंघवी की टिप्पणी सरकार द्वारा आगामी सत्र में संसद में तीन तलाक के खिलाफ एक विधेयक के पेश किए जाने की घोषणा के बाद आई है जिसमें तीन तलाक देने वाले को तीन साल की सजा का प्रावधान है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) विधेयक, 2019 को मंजूरी दे दी। यह फरवरी में घोषित किए गए अध्यादेश का स्थान लेगा। सरकार का कहना है कि यह विधेयक लैंगिक समानता व लैंगिक न्याय सुनिश्चित करेगा। यह शादीशुदा मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों का संरक्षण करेगा और 'तलाक-ए-बिद्दत' से तलाक को रोकेगा।

संपादकीय

तूफान के बाद

इसका नामाकरण भले ही 'वायु' हुआ हो, लेकिन यह एक ताकतवर चक्रवाती तूफान है, विनाश की तमाम आशंकाओं को समेटे हुए। जिस समय आप ये पक्तियां पढ़ रहे हैं, 'वायु' गुजरात और महाराष्ट्र के तटों से टकरा चुका है। महाराष्ट्र के एक हिस्से, गुजरात के 408 तटवर्ती गांवों और दमन द्वीप समूह पर जहां इसका खतरा सबसे ज्यादा है, वहां से विनाश की तस्वीरें आने में अभी समय लगेगा, लेकिन माना यही जा रहा है कि यह चक्रवाती तूफान उतना खतरनाक नहीं है, जितना पिछले महीने ओडिशा में आया तूफान 'फानी' था। ओडिशा का पिछला तूफान हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण था। एक तो यह ऐसे समय में आया, जब देश में चुनाव प्रक्रिया चल रही थी और ओडिशा में तो आम चुनाव के साथ-साथ विधानसभा चुनाव भी हो रहे थे। उस चक्रवाती तूफान के दौरान वहां सभी दलों ने राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों के अपने तूफान को कुछ दिनों के लिए रोक लिया था, ताकि प्रशासन तूफान का ठीक से मुकाबला कर सके। और यही हुआ भी। इसी के साथ राज्य और केंद्र ने सहयोग का भी एक अच्छा उदाहरण पेश किया। बेशक तूफान से होने वाले बहुत से नुकसान को नहीं रोका जा सकता था, लेकिन पहले की तुलना में पिछले महीने के तूफान में जान-माल की हानि बहुत कम हुई थी। उस तूफान के सबक इस बार गुजरात में काफी काम आ रहे हैं। ओडिशा की तरह ही इस बार भी प्रभावित इलाकों के गांवों को समय रहते खाली करा लिया गया। आपदा के प्रभाव को कम करने की जरूरी मुस्तैदी इस बार भी काम आती दिख रही है। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने का दरअसल यही तरीका होता है। कुदरत के कुछ कहर ऐसे होते हैं, जिन्हें हम सीधे तौर पर तो नहीं रोक सकते, लेकिन ऐसे इंतजाम जरूर कर सकते हैं कि विनाश कम से कम हो। बाकी आपदाओं के मामले में भले ही अभी ऐसा नहीं कहा जा सकता हो, लेकिन चक्रवाती तूफान की आपदा के प्रबंधन में हमने जो कामयाबी हासिल की है, वह बहुत बड़ी बात है। लेकिन ऐसा हर जगह नहीं हुआ है। अभी कुछ ही महीने पहले केरल के पर्वतीय क्षेत्र में आई भयानक बाढ़ के समय हमने देखा था कि वहां समय रहते आपदा प्रबंधन के इंतजाम लोगों तक नहीं पहुंच सके थे। इसलिए अब जरूरी यह है कि इस सबक को आगे बढ़ाया जाए और अन्य तरह की आपदाओं के प्रबंधन में कुशलता हासिल की जाए। पूरी दुनिया का पिछले कुछ साल का अनुभव यही बताता है कि जैसे-जैसे पर्यावरण में बदलाव हो रहा है, प्राकृतिक आपदाओं का आना बढ़ गया है। यहां तक कि अमेरिका जैसे देश भी इसके प्रभावों को कम करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जरूरी यह है कि हर जगह यह मानकर तैयारियां की जाएं कि आपदा कहीं भी, कभी भी आ सकती है। 'वायु' के आगमन का एक नुकसान यह भी हुआ है कि केरल से जो मानसून तेजी से उत्तर की ओर बढ़ रहा था, उसका बढ़ना रुक गया है। आगे की यात्रा वह अब पांच दिन बाद ही शुरू करेगा। वैसे भी इस बार मानूसन आठ दिन की देरी से आया है और इसके फिर से अटक जाने का अर्थ है कि एक तो इसके कमजोर होने की आशंकाएं इस बार पहले से ज्यादा होंगी और दूसरी बरसाती फसलों की बुआई व रोपाई में देरी होगी। अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित करने वाली ये कुछ ऐसी आपदाएं हैं, जिनसे निपटने की तैयारी हमें हमेशा रखनी होगी।

ट्वीट

पक्ष

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पहली बार इस्रयल के पक्ष में वोट डाला। इसे ''इतिहास की हिचकिचाहट' मिटाना कह सकते हैं। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए संबंध और समीकरणों का सूत्रपात है। यह भारत के नए आत्मविास और वैश्विक मंच पर उसके दमदार आग़ाज़ का भी ऐलान है।

अखिलेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

ट्रंप की सनक से बढ़ीं भारत-चीन की मुश्किलें

जी. पार्थसारथी

जापान के ओसाका शहर में 28-29 जून को होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में दुनियाभर से विकसित और विकासशील देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल होने जा रहे हैं। हालिया आम चुनाव में शानदार जीत के बाद यह अवसर प्रधानमंत्री मोदी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहा है, जहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति ट्रंप, शी जिनपिंग और पुतिन के साथ होने वाली है। ट्रंप ने वैश्विक व्यवस्था को अपने अप्रत्याशित फैसलों से न केवल हिलाकर रख दिया है बल्कि शक्तियों के बीच नए समीकरण बनने का मौका भी बनाया है। अमेरिका के पास आज एक ऐसा नेता है जो अपने फैसलों से सामरिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों में काफी बड़े बदलाव लाता जा रहा है और जिसकी वजह से द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वाले काल में मुल्कों के बीच अंतर्राष्ट्रीय संबंध नए सिरे से बन रहे हैं। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप मुस्लिम देशों से आने वाले आप्रवासियों को वीजा न देने के हामी हैं तथापि उन्हें एक हठधर्मी नस्लवादी कहना कुछ ज्यादा ही सरल परिभाषा होगी क्योंकि कुछ मुस्लिम मुल्कों जैसे कि सऊदी अरब, यूएई और मिस्र के शासकों के साथ उनके रिश्ते काफी मधुर हैं। इस्लामिक दुनिया को लेकर उनके नजरिये को आकार देने में उनके दामाद जार्ड कुश्नर का काफी प्रभाव है। खुद एक यहूदी होने के नाते कुश्नर का इस्राइल से बहुत ज्यादा भावनात्मक संबंध होना स्वाभाविक है। ईरान पर ट्रंप द्वारा अपनाए गए कड़े रुख का खाका कुश्नर द्वारा तैयार किया बताया जाता है। ट्रंप की आर्थिक नीतियों के चलते वैश्वीकरण के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता में अत्यंत कमी आई है। इसकी मिसाल चीन और यहां तक कि मित्र सहयोगी देशों पर लगाए गए एकतरफा व्यापारिक प्रतिबंध हैं। रोचक यह है कि दीगर यूरोपियन मुल्क भी आज की तारीख में धार्मिक, सांस्कृतिक और जातीय असहिष्णुता वाले काल की ओर लगातार सरकते दिखाई दे रहे हैं। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी भारत के सामरिक हितों को कुशलतापूर्वक बचाए रखने में सफल होंगे। हो सकता है ट्रंप की इच्छा पुतिन के रूस के साथ मिलजुलकर काम करने की हो लेकिन इस दिशा में उनके प्रयास लगातार मुश्किल बनते जा रहे हैं। अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में रूस-विरोधी भावना काफी प्रबल है। अमेरिकी संसद में पारित किए गए अधिनियम के मुताबिक उन देशों पर आर्थिक और बैंकिंग प्रतिबंध लगाना अनिवार्य है जो रूस से हथियार खरीदने हेतु नए सौदे करते पाए जाएंगे। पूर्व रक्षा मंत्री जनरल मैटिस ने हालांकि भारत को भरोसा दिया था कि रूस से रक्षात्मक मिसाइल प्रणाली एस-400 खरीद सौदे में भारत को उक्त संसदीय प्रतिबंधों से छूट दी जाएगी, परंतु आगे चलकर ट्रंप प्रशासन ने फैसला लिया कि रूस से की जाने वाली तमाम खरीद पर यह प्रतिबंध लागू होंगे। इस नीति के हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर असर होंगे। भारत ने रूस से कई किस्म के हथियारों की आपूर्ति और आगे चलकर देश के अंदर निर्माण की योजना बना रखी थी, जिसमें मिसाइलें, फ्रिगेट, पनडुब्बियां, लड़ाकू हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर, स्वचालित राइफलें और टैंक शामिल थे। दूसरी तरफ जब तक कि अमेरिका किसी भी अन्य देश से हथियार आपूर्ति की तरजीहों पर प्रतिबंध लगाकर हमारी सुरक्षा तैयारियों को चोट पहुंचाता रहेगा तब तक वह हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में हमें अपना 'सामरिक भागीदार' सही रूप में कहने का हकदार नहीं है। अन्य देश जैसे कि फ्रांस और इस्राइल के साथ रक्षा क्षेत्र में सहयोग करके हम अपने विकल्पों का दायरा बढ़ा रहे हैं लेकिन हमें अपनी वित्तीय एवं अन्य नीतियों को सावधानी से उलीकना होगा ताकि अमेरिका की ओर से लगाए गए एकतरफा प्रतिबंधों से हमारी रक्षा तैयारियों पर कोई प्रतिकूल असर न पड़े। देर से सही लेकिन अमेरिकियों को अहसास हो गया है कि पिछले तीन दशकों में चीन को तकनीक हस्तांतरण करने में दिखाई गई दरियादिली ने खुद उनका नुकसान किस कदर किया है।

अब ट्रंप इस बात को लेकर कृतसंकल्प हैं कि साइबर स्पेस और संचार के क्षेत्र में चीन अमेरिका से बढ़त न बना पाए। अमेरिका और रूस के बीच सबसे गंभीर मतभेद अब इस बात को लेकर हैं कि इनमें कौन 5-जी नेटवर्क श्रेष्ठता की मार्फत दुनियाभर के साइबर स्पेस में प्रभुत्व बनाने में पहले सफल रहेगा। अमेरिका को अहसास हो गया है कि अगर चीन की हुआवे कंपनी ने अमेरिकी फर्म एप्पल से बढ़त बना ली तो वह इस क्षेत्र में लड़ाई हार जाएगा क्योंकि चीन अपनी नेटवर्क श्रेष्ठता की बदौलत अपनी कद्दावर ऑनलाइन व्यापारिक कंपनियों जैसे कि अलीबाबा, बाइटडैंस, बाईडू और डीडी की मार्फत अमेरिका के अमेजोन, फेसबुक, गूगल और उबर को पछाड़ने में सफल हो जाएगा। आज हुआवे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दुर्जेय स्थान पर स्थापित हो चुकी है। आज की तारीख में 5-जी तकनीक में हुआवे सबसे आगे है। पिछले साल इसकी आमदनी 107 बिलियन डॉलर को पार कर गई थी। अमेरिका ने न सिर्फ अपने यहां हुआवे को प्रतिबंधित कर दिया है बल्कि दूसरे देशों को भी चेताया है। हुआवे प्रायोजित 5-जी तकनीक को अस्वीकार करने के अमेरिकी आह्वान पर फिलहाल यूरोपियन यूनियन के सदस्य देशों ने अपने विचार खुले रखे हुए हैं। कनाडा ने भी अपने विकल्प खुले रखे हुए हैं तो ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने हुआवे की तजवीज को खारिज कर दिया है। हालांकि यूके हुआवे की पेशकशों को ठुकराने में झुकाव रखने वालों में एक दिखाई दे रहा है तो वहीं जर्मनी और अन्य यूरोपीय ताकतें जैसे कि इटली अभी भी चीनी कंपनी पर खुला मन बनाए हुए हैं। विकासशील देशों के लिए, जिसमें हमारे पड़ोसी भी शामिल हैं, उनके लिए हुआवे द्वारा किफायती दामों पर दी जाने वाली सुविधा के फायदों को नजरअंदाज करना बहुत मुश्किल होगा। भारत को अपने दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों द्वारा 5-जी के लिए इस चीनी कंपनी को चुनने से पैदा हुई स्थिति के नतीजों का आकलन करना होगा। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन ने 5 जून को मास्को में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके अनुसार वर्ष 2019-20 में 5-जी तकनीक का विकास और पायलेट प्रसारण नेटवर्क की स्थापना की जाएगी। अपनी परिष्कृत तकनीक की बदौलत इस बात की पूरी संभावना है कि हुआवे ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान समेत समूचे मध्य एशिया में 5-जी के लिए पहली पसंद बनेगा। भारत के संचार मंत्री रविशंकर प्रसाद ने हाल ही में घोषणा की थी कि देश में 5-जी का परीक्षण अगले 100 दिनों में किया जाएगा। अगली स्पेक्ट्रम नीलामी में 5-जी एयरवेव को भी शामिल किया जाएगा। हालांकि उन्होंने संकेत दिए हैं कि भविष्य की 5-जी सुविधा को अपनाते समय किसी निर्णय पर पहुंचने से पहले सुरक्षा संबंधी उठी चिंताओं को ध्यान में रखा जाएगा। भारत को इस अतिमहत्वपूर्ण किंतु जटिल विषय पर निर्णय लेने से पूर्व सभी सहूलियतों और विषमताओं पर बहुत सावधानी से विचार करना होगा।

हालांकि अनेक लोग यह सवाल भी उठाएंगे कि हथियार प्राप्त करने की हमारी कोशिशों पर अमेरिका द्वारा अड़ंगा लगाने के प्रयासों के मद्देनजर क्या भविष्य में हमारे लिए अत्यंत महत्व रखने वाली संचार प्रणाली के चुनाव करने में भी अमेरिकी पसंद-नापसंद की 'उल्लंघना' करने पर ट्रंप प्रशासन और अमेरिकी संसद के बलात प्रतिबंधों और 'वीटो' का सामना करने की स्थिति बनेगी?

लेखक पूर्व राजनयिक हैं।

ज्ञान गंगा

प्रणिधानी

श्रीराम शर्मा आचार्य

प्रणिधान का अर्थ है-धारण करना, स्थापित करना। ईर प्रणिधान अर्थात ईश्वर को धारण करना, स्थापित करना। गीता कहती है-ईश्वरः सर्वभूतानां हृद्देशेऽर्जुन तिष्ठति। अर्थात हे अर्जुन! ईर सब प्राणियों के हृदय में बैठा हुआ है। फिर भी मनुष्य उसे भूला हुआ है। उसे देखता नहीं, पहचान तक नहीं। कहने को तो लोग ईर को जानते भी हैं, और मानते भी हैं, पर व्यवहार में उसका एक प्रकार से बहिष्कार ही कर देते हैं। पुलिस सर्वव्यापक नहीं है, तो भी उससे जितना डरते हैं उतना ईर से नहीं डरते। अमीरों में उतनी उदारता नहीं होती, तो भी अमीरों या अफसरों का जितना आदर करते हैं, उतना ईर का नहीं करते। स्त्री का प्यार सच्चा और स्थायी नहीं होता, तो भी जितना प्यार अपनी स्त्री से करते हैं उतना ईर से नहीं करते। बेटे के ब्याह में जितना खर्च कर देते हैं उससे चौथाई भी ईर के निमित्त नहीं लगाते। सच्चाई के साथ देखा जाए तो ईर को बहुत ही गौण स्थान दिया जाता है। या तो धन, संपदा, बेटा, पोता, जीत, स्वास्य, विद्या, बुद्धि, स्वर्ग, मुक्ति आदि पाने के लिए ईर को टटोलते हैं, या कोई विपत्ति आ जाने पर उसे पुकारते हैं। अध्यात्म विद्या का जो लोग शोध कर रहे हैं, राजयोग की साधना के लिए यम-नियमों की जो साधना करना चाहते हैं, उन्हें ईर प्रणिधान का तत्त्वज्ञान भली प्रकार समझना होगा और बुद्धिपूर्वक उस पर आरूढ़ होना होगा। योग के आठ अंगों में से द्वितीय अंग नियम का पांचवा नियम ईर पूजा नहीं वरन ईर प्रणिधान है। परमात्मा की हृदय में स्थापना करना, उसे हर घड़ी अपने साथ देखना, रोम-रोम में उसका व्यापकत्व अनुभव करना यह ईर प्रणिधान का चिह्न है। मन्दिर में मूर्ति की स्थापना की जाती है तो उसकी पूजा के लिए पुजारी नियत करना पड़ता है जो यथासमय सारी पूजापत्री किया करे। पुजारी अन्य कार्य भी करता है, पर प्रतिमा के भोग, स्नान, शयन, आरती आदि का ध्यान विशेष सावधानी के साथ रखता है। ईर प्रणिधान में ईर की प्रतिमा का हृदय में, अन्त-करण में स्थापित करनी होती है और उसे चौबीस घंटे का साथी बनाना पड़ता है। पुजारी का प्रधान कार्य प्रतिमा की पूजा है। इस प्रकार प्रणिधानी को प्रधानत- ईर में निमग्न रहना पड़ता है। ईर को अपने में और अपने को ईर में ओतप्रोत रखना पड़ता है।

आज का राशिफल

मेष — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ — व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन — आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क — राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला — गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक — व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर — बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

न्यायिक पहल के बाद केंद्र की जवाबदेही

जनसंख्या नियंत्रण/ अनूप भटनागर

लोकसभा चुनाव संपन्न होने के तुरंत बाद ही देश में बढ़ती आबादी का मुद्दा गरमाने लगा है। मांग है कि जनसंख्या पर नियंत्रण के लिये कानून में संशोधन किया जाये। साथ ही संविधान के कामकाज की समीक्षा के लिये गठित आयोग के सुझाव के अनुरूप संविधान में अनुच्छेद 47-ए जोड़ा जाये। देश की बढ़ती जनसंख्या की वजह से संसाधनों पर पड़ रहे दबाव को लेकर पिछले कई दशकों से चिंता व्यक्त की जाती रही है लेकिन इसमें कोई ठोस सफलता नहीं मिली है। दिलचस्प पहलू यह है कि बाबा रामदेव द्वारा जनसंख्या नियंत्रण के लिये कानून में संशोधन करके तीसरी संतान को मतदान के अधिकार और सरकारी नौकरी से वंचित करने की मांग का केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तत्काल ही समर्थन कर दिया। दूसरी ओर, भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने इसी दौरान जनहित याचिका दायर की, जिस पर उच्च न्यायालय ने केन्द्र और विधि आयोग से जवाब भी मांग लिया। इस याचिका में 'हम दो हमारे दो' के सिद्धांत का पालन करने पर जोर दिया गया है। हालांकि, उच्च न्यायालय में यह मामला तीन सितंबर को अब आगे सुनवाई के लिये सूचीबद्ध है लेकिन लगता है कि संवेदनशील विषय पर सियासत गरमाने का प्रयास किया गया है।

हालांकि इससे पहले कम से कम तीन अवसरों पर उच्चतम न्यायालय जनसंख्या पर नियंत्रण पाने के लिये संसद और विधानसभा के चुनावों के लिये दो संतानों का फार्मूला लागू करने का निर्वाचन आयोग को निर्देश देने से इनकार कर चुका है। शीर्ष अदालत ने अभी पिछले साल मई में ही भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की इसी तरह की जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। इसी याचिका में भी वेंकटचलैया आयोग की 31 मार्च, 2002 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया था कि इस विषय पर केन्द्र सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाये। यही नहीं, न्यायालय ने 17वीं लोकसभा के चुनाव से ठीक पहले भी अश्विनी उपाध्याय की एक अन्य जनहित याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें राजनीतिक दलों को दो से अधिक संतान वाले व्यक्तियों को पार्टी का उम्मीदवार नहीं बनाने का अनुरोध किया गया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नयी सरकार के गठन के पहले ही इस मुद्दे को उछाल कर जनसंख्या के विषय पर राजनीति को एक दिशा देने का प्रयास किया गया है। इसका संकेत एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की तीखी प्रतिक्रिया से मिलता है। देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश एमएन वेंकटचलैया की अध्यक्षता में गठित आयोग ने अपनी रिपोर्ट में संविधान में अनुच्छेद 47-ए जोड़ने और जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने का सुझाव दिया था। इस मामले में याचिकाकर्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने तर्क दिया है कि देश में बेरोजगारी, गरीबी, लगातार बढ़ रहे बलात्कार, घरेलू हिंसा और इसी तरह के दूसरे संगीन अपराधों, प्रदूषण और जल, स्वच्छ वायु, जंगल और इसी तरह के अन्य संसाधनों के तेजी से खत्म होने की मुख्य वजह बढ़ती आबादी है। उनका तर्क है कि जनसंख्या पर प्रभावी तरीके से नियंत्रण पाये बगैर स्वच्छ भारत और बेटी बचाओ जैसे अभियान पूरी तरह सफल नहीं हो पायेंगे। यही नहीं, उपाध्याय ने सरकारी नौकरियों, सब्सिडी और मदद के लिये दो संतानों का मानक निर्धारित करने और इसका पालन नहीं करने पर मत देने का अधिकार, चुनाव लड़ने का अधिकार, संपत्ति में अधिकार, आवास का अधिकार और मुफ्त कानूनी सहायता जैसे विधायी अधिकार वापस लेने का सरकार को निर्देश देने का उच्च न्यायालय से अनुरोध किया है। जनसंख्या पर नियंत्रण के उद्देश्य से नरसिंह

राव सरकार के कार्यकाल में 79वां संविधान संशोधन विधेयक राज्यसभा में पेश किया गया था। इस विधेयक में प्रस्तावित किया गया था कि दो से अधिक संतानों वाला व्यक्ति संसद के किसी भी सदन या राज्यों के विधानमंडल का चुनाव लड़ने के अयोग्य था। इस बीच, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और ओडिशा सहित कई राज्यों ने अपने यहां पंचायत स्तर के चुनावों में दो संतान वाले व्यक्ति को ही चुनाव लड़ने की पात्रता रखने संबंधी कानून बना दिया है। हरियाणा में पंचायत चुनावों में दो से अधिक संतान वाले व्यक्ति को चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित करने का प्रावधान करने संबंधी कानून को वैध करार देते हुए उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि देश में तेजी से बढ़ रही आबादी पर कानून के माध्यम से अंकुश लगाना राष्ट्र हित में है। अक्तूबर, 2018 में ओडिशा के मामले में तो यहां तक कहा गया था कि यदि तीसरी संतान को गोद दे दिया जाये तो भी ऐसा व्यक्ति चुनाव लड़ने के अयोग्य होगा। निन्संदेह जनसंख्या नियंत्रण के बारे में केन्द्र सरकार के रुख को देखना दिलचस्प होगा।

ग्राहकों के लिए जियो लाया शानदार ऑफर, 198 रुपये के रिचार्ज पर अब मिलेंगे ये फायदे

नई दिल्ली :

रिलायंस जियो ग्राहकों के लिए शानदार ऑफर लेकर आया है। कंपनी अपन् प्रीपेड कस्टमर्स को 198 रुपये और 399 रुपये का रिचार्ज पर फ्री अजियो कूपन दे रहा है। इस ऑफर का फायदा नए और मौजूदा जियो कस्टमर्स दोनों उठा सकते हैं। ये ऑफर सिर्फ 3 जून से 14 जुलाई 2019 तक के लिए है। 198 रुपये का रिलायंस जियो रिचार्ज कराने पर सभी कस्टमर्स को 198 रुपये का ही अजियो कूपन मिलेगा। अजियो रिलायंस की शॉपिंग वेबसाइट है जिसपर ग्राहक कपड़ों से लेकर एक्सेसरी खरीद सकते हैं। इस कूपन को पांच बार रिडीम किया जा सकता है लेकिन यूजर्स एक महीने में सिर्फ एक ही बार कूपन का इस्तेमाल कर पाएंगे। आप इसका फायदा तभी उठा पाएंगे जब 999 रुपये की खरीदारी करेंगे। इसका फायदा उठाने के लिए 14 जुलाई तक रिचार्ज करवाना होगा। वहीं, 399 रुपये के जियो प्रीपेड रिचार्ज पर कस्टमर्स को 399 रुपये का अजियो कूपन मिलेगा। इस कूपन को भी पांच बार रिडीम कराया जा सकता है और यह भी एक महीने में एक बार ही रिडीम करवाया जा सकेगा। इसका इस्तेमाल करने के लिए न्यूनतम 1,399 रुपये का रिचार्ज करना होगा।

मामूली घटत-बढ़त के साथ बंद हुए Sensex-Nifty

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में आज सुबह कारोबार की शुरूआत गिरावट के साथ लाल निशान पर हुई और कारोबार की समाप्ति पर ये मामूली घटत-बढ़त के साथ बंद हुआ। घटत-बढ़त के इस माहौल में कारोबार की समाप्ति पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का तीस शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 15.45 अंक यानि 0.039 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,741.36 के स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के पचास शेयरों वाले निफ्टी में कारोबार की समाप्ति पर बढ़त देखने को मिली और ये 7.85 अंक यानि 0.066 प्रतिशत की बढ़त के साथ 11,914.05 के स्तर पर बंद हुआ। गौरतलब है कि कल के कारोबार के दौरान शेयर बाजार सुबह गिरावट के साथ लाल निशान पर खुला और कारोबार की समाप्ति पर भी ये लाल निशान पर ही बंद हुआ। कारोबार की शुरूआत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का तीस शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 120.21 अंक यानि 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,830.25 के स्तर पर खुला और कारोबार की समाप्ति पर ये 193.65 अंक यानि 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,756.81 के स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का पचास शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स निफ्टी कारोबार की शुरूआत में 38.35 अंक यानि 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 11,927.25 के स्तर पर खुला और कारोबार की समाप्ति पर ये 59.40 अंक यानि 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 11,906.20 के स्तर पर बंद हुआ।

पेट्रोल-डीजल की कीमत घटी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने जारी की रेट लिस्ट

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गुरुवार को पेट्रोल आठ पैसे और डीजल छह पैसे सस्ता हुआ। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से मिली जानकारी के अनुसार, दो दिन के टिकाव के बाद दिल्ली में आज पेट्रोल आठ पैसे सस्ता होकर 70.35 रुपए प्रति लीटर पर आ गया जो 13 फरवरी के बाद का इसका निचला स्तर है। यहां डीजल भी छह पैसे सस्ता होकर 64.33 रुपए प्रति लीटर बिका। यह 14 जनवरी के बाद का इसका निचला स्तर है। देश के अन्य महानगरों में भी दोनों जीवाश्म ईंधनों में गिरावट देखी गई।

कोलकाता में पेट्रोल सात पैसे सस्ता होकर 72.61 रुपये, मुंबई में आठ पैसे सस्ता होकर 76.04 रुपए और चेन्नई में नौ पैसे सस्ता होकर 73.08 रुपए प्रति लीटर बिका। डीजल कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में छह-छह पैसे सस्ता होकर क्रमशः 66.25 रुपए, 67.45 रुपए और 68.05 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

दालों की महंगाई पर सरकार एक्शन में, 4 लाख टन अरहर दाल का करेगी इम्पोर्ट

नई दिल्ली।

अरहर दाल की कीमत में बढ़ौतरी के मद्देनजर सरकार एक्शन में आ गई है और केन्द्र सरकार 4 लाख टन अरहर दाल का इम्पोर्ट करेगी। सरकार ने अपने बफर स्टॉक से भी 2 लाख टन अरहर दाल खुले बाजार में जारी करने का फैसला किया है। केन्द्रीय खाद्य मंत्री राम विलास पासवान ने खाद्य, उपभोक्ता मामले, कृषि और वाणिज्य मंत्रालय के सचिवों के साथ एक बैठक कर कुछ अहम फैसले लिए हैं। इसमें दालों की बढ़ती कीमत पर चिंतित सरकार ने संबंधित मंत्रालयों के आला अधिकारियों के साथ इस मामले पर बैठक की। सरकार ने अक्तूबर तक 4 लाख टन अरहर दाल का आयात करने का फैसला किया है। अक्तूबर के बाद स्थानीय दाल भी बाजार में आने लगेगी। सरकार के पास बफर स्टॉक में फिलहाल 37 लाख टन दाल मौजूद है जिसमें अरहर दाल की मात्रा 7.50 लाख टन है। सरकार का आकलन है कि 2018-19 में दाल के उत्पादन में करीब 8 लाख टन की कमी आ सकती है जिसका असर इसकी सप्लाई पर पड़ सकता है। इसमें अरहर दाल के उत्पादन में ही करीब 5 लाख टन की कमी की संभावना है। ऐसे में सरकार ने सप्लाई बनाए रखने के लिए अरहर दाल आयात करने का फैसला लिया है। सरकार का दावा है कि चना, उड़द, मूंग और मसूर जैसी दाल की अन्य किस्मों के दाम नियंत्रण में हैं। 2017-18 में दाल का उत्पादन जहां 240 लाख टन हुआ था वहीं 2018-19 में इसका उत्पादन 232 लाख टन होने का अनुमान है। वहीं अरहर दाल का उत्पादन 40.2 लाख टन से गिरकर 35 लाख टन तक होने की संभावना है। बता दें कि अरहर दाल की कीमत 100 रुपए प्रति किलो के पार पहुंच चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

पेटीएम क्यूआर के विस्तार पर कंपनी निवेश करेगी 250 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान सेवा देने वाली कंपनी पेटीएम इस साल अपनी पेटीएम क्यूआर सेवा के विस्तार पर 250 करोड़ रुपए खर्च करेगी। कंपनी ने बुधवार को कहा कि इससे वह अपनी इस सेवा को चौथे और पांचवी श्रेणी के शहरों में विस्तारित करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस निवेश से उसे चालू वित्त वर्ष के अंत तक देशभर में दो करोड़ दुकानदारों/मर्चेंट से अधिक तक पहुंच बनाए जाने की उम्मीद है। पेटीएम ने दुकानदारों के लिए क्यूआर कोड आधारित भुगतान सेवा शुरू की है। इसके माध्यम से वह सीधे अपने बैंक खाते में भुगतान को प्राप्त कर सकते हैं। कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक एबॉट ने कहा कि अभी देश में पेटीएम क्यूआर के माध्यम से 1.2 करोड़ दुकानदार भुगतान स्वीकार कर रहे हैं। इसमें अधिकतर बड़े शहरों के दुकानदार हैं। कंपनी की योजना देशभर में अजमेर, बेकगांव, कर्नूल, रोहतक और लातूर जैसे छोटे से छोटे शहरों के दुकानदार तक पहुंचने की है। पेटीएम की मातृ कंपनी वन97 कम्यूनिकेशंस ने एक अलग बयान में कहा कि उसके पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी पेटीएम मनी को अपने मंच पर %राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली-एनपीएस' की पेशकश करने के लिए पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) से अनुमति मिल चुकी है। अब पेटीएम मनी पर पंजीकृत निवेशक एनपीएस में निवेश करने में सक्षम होंगे। -एजेंसी

बीएसई पर करीब 13 फीसदी लुढ़का यस बैंक का शेयर

मुंबई। यस बैंक के शेयर में गुरुवार को बिकवाली बढ़ने के कारण भारी गिरावट दर्ज की गई। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर यस बैंक का शेयर करीब 13 फीसदी लुढ़ककर एक साल के निचले स्तर पर आ गया है। यस बैंक के शेयर का भाव बीएसई पर गुरुवार को पिछले सत्र की क्लोजिंग 134.65 रुपये प्रति शेयर के मुकाबले कमजोरी के साथ 130.80 रुपये पर खुला। लेकिन बिकवाली का दबाव बढ़ने के कारण कंपनी के शेयर का भाव 17.15 रुपये यानी 12.73 फीसदी लुढ़ककर 117.50 रुपये प्रति शेयर पर आ गया। दोपहर बाद के सत्र के दौरान यस बैंक के शेयर में 11.07 फीसदी की गिरावट के साथ 119.75 रुपये प्रति शेयर के भाव पर कारोबार चल रहा था।

सोना स्थिर, चाँदी 40 रुपये फिसली

नयी दिल्ली । वैश्विक स्तर पर दोनों कीमती धातुओं में तेजी के बीच स्थानीय ग्राहकी सुस्त रहने से दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 33,570 रुपये प्रति ग्राम पर स्थिर रहा जबकि चाँदी 40 रुपये फिसलकर 37,850 प्रति किलोग्राम पर आ गयी। विदेशों से मिली जानकारी के अनुसार, सोना हाजिर वहाँ 3.77 डॉलर चढ़कर 1,336.35 डॉलर प्रति औंस पर पहुँच गया। अगस्त का अमेरिकी सोना वायदा भी 3.70 डॉलर की बढ़त में 1,340.50 डॉलर प्रति औंस बोला गया। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि अगले सप्ताह होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक में नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की संभावना से पीली धातु को बल मिला है। फेड की बैठक 18 और 19 जून को होनी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चाँदी हाजिर 0.06 डॉलर चढ़कर 14.81 रुपये प्रति पौंड पर पहुँच गयी।

जेबीएल ने लाइव सीरीज के हेडफोन्स उतारे

बेंगलुरू : दक्षिण कोरिया की प्रौद्योगिकी दिग्गज सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की स्वामित्व वाली ऑडियो उपकरण बनानेवाली कंपनी हरमंस इंटरनेशनल इडस्ट्रीज के ब्रांड जेबीएल ने बुधवार को लाइव सीरीज हेडफोन्स भारतीय बाजार में उतारे। इस सीरीज में जेबीएल लाइव 650बीटीएनसी की कीमत 12,599 रुपये, जेबीएल लाइव 500बीटी की कीमत 9,999 रुपये, जेबीएल लाइव 400बीटी की कीमत 7,899 रुपये, जेबीएल लाइव 200बीटी की कीमत 5,200 और जेबीएल लाइव 100 की कीमत 2,499 रुपये रखी गई है। नई लांच की गई सीरीज में उन्नत गूगल असिस्टेंस, अमेजन एलेक्सा दिया गया है। ये डिवाइसेज अल्यूमिनियम फिनिश में हैं और काफी हल्की हैं। हरमन इंडिया के कंट्री मैनेजर प्रदीप चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, स्मार्ट हेडफोन्स ही ऑडियो का भविष्य हैं और हम नए लाइव सीरीज के साथ इस श्रेणी की अगुवाई करते रहेंगे। यह भारत और विश्व स्तर पर उपभोक्ता ऑडियो प्रौद्योगिकी में हरमन के नेतृत्व को मजबूती प्रदान करेगा। यूजर्स गूगल प्ले स्टोर और एप्पल एप स्टोर से %माई जेबीएल हेडफोन्स एप को सक्रिय कर सकते हैं, उसके बाद बाएं ईयरकप पर टैक पर बाधारहित श्रवण अनुभव प्राप्त कर सकते है, इसके अलावा अपने पसंदीदा कलाकारों के नवीनतम गानों को भी सर्च करके सुन सकते हैं।

टीसीएस को मिला रिजर्व बैंक के सीआईएमएस के लिए 310 करोड़ रुपए का ठेका

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ने अपनी केंद्रीय सूचना एवं प्रबंधन प्रणाली (सीआईएमएस) के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टीसीएस को 310.52 करोड़ रुपए का ठेका दिया है। रिजर्व बैंक ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। रिजर्व बैंक ने कहा कि इससे डेटा का निर्बाध संग्रहण तथा सत्यापन सुनिश्चित होगा। केंद्रीय बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, टीसीएस ने आईबीएम इंडिया, इंफोसिस और एलएंडटी इंफोटेक जैसी आईटी कंपनियों को पीछे छोड़कर यह ठेका हासिल किया। टीसीएस को आरबीआई के साथ करार के एक साल के भीतर काम पूरा करना होगा। रिजर्व बैंक ने अपने डेटा वेयरहाउस को दुरुस्त कर सीआईएमएस के क्रियान्वयन के लिए जुलाई 2018 में निविदा जारी की थी। सीआईएमएस में डेटा वेयरहाउस के साथ डेटा लेक शामिल होगा। इसमें केंद्रीय आकलन मंच भी शामिल होगा जो आरबीआई डेटा साइंस लैब का तैयार किया जाना सुनिश्चित करेगा।

पंजाब नेशनल बैंक ने स्वीकारा, डिफॉल्टरों के कारण लगा 25000 करोड़ रुपये का चूना

मुंबई ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने स्वीकार किया है कि पूरे भारत में कुल 1,142 बड़े और छोटे डिफॉल्टरों ने उसे लगभग 25,090.3 करोड़ रुपये का चूना लगाया है। बैंक ने 23,879.8 करोड़ रुपये की वसूली के लिए इन 1,142 में से 1,108 डिफॉल्टरों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। हालांकि, बाकी 34 डिफॉल्टरों के खिलाफ कोई मुकदमा दायर नहीं किया गया है, जिन पर बैंक का कुल 1,210.5 करोड़ रुपये बकाया है। जैसा कि अनिवार्य है, आरबीआई (भारतीय रिजर्व बैंक) को 31 मार्च, 2019 तक के इन सभी फंसे खातों की स्थिति के बारे में सूचित किया गया है। इनमें से कुछ कई साल पुराने हैं और अभी भी उनसे वसूली की कार्रवाई चल रही है। देश की दूसरे सबसे बड़े सरकारी बैंक द्वारा तैयार की गई 'हिट-लिस्ट' में वे सभी डिफॉल्टर्स शामिल हैं, जिन पर पीएनबी का 25 लाख रुपये और उससे अधिक बकाया है। ये कर्ज महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, चंडीगढ़, गुजरात, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल स्थित बैंक की शाखाओं से दिए गए थे। रहस्यमय रूप से, कर्ज लेने वाली कुछ कंपनियों को विदेशों में पंजीकृत दिखाया जाता है, जबकि अन्य जो भारत में पंजीकृत हैं, उन्होंने अपनी विदेशी शाखाओं से पीएनबी से कर्ज लिया है। दिलचस्प बात यह है कि कर्ज नहीं चुकानेवालों की सूची भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव डी. मोदी और मेहुल सी. चोकसी के अलावा भी और कई लोग हैं। मोदी और चोकसी की जोड़ी ने पीएनबी को साल 2018 की शुरुआत में 14,000 करोड़ रुपये का चूना लगाया था। इसके अलावा सूची में शामिल एक और हाई-प्रोफाइल फरार विजय माल्या है, जिसके किंगफिशर एयरलाइंस के खाते में 597.4 करोड़ रुपये का बकाया है। अन्य डिफॉल्टरों में कुडोस केमी लि., चंडीगढ़ (1,301.8 करोड़ रुपये), विनसम डायमंड्स एंड ज्वैलरी लि., सूरत (899.7 करोड़ रुपये), जस इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड पॉवर लि., कोलकाता (410.9 करोड़ रुपये), जूम डेवलपर्स प्राइवेट लि., मुंबई/इंदौर (410.1 करोड़ रुपये) शामिल हैं।

आशियाने का सपना देख रहे लोगों को बजट में बड़ी राहत दे सकती है मोदी सरकार

नई दिल्ली ।

अपने खुद आशियाने का सपना देख रहे लोगों को मोदी सरकार आगामी बजट में बड़ी राहत देने की तैयारी में है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक,सरकार बजट में होम लोन के प्रिंसिपल, ब्याज पर टैक्स छूट बढ़ाने पर विचार कर रही है। इसके अलावा रियल एस्टेट सेक्टर के लिए भी रहात भरे बड़े कदमों का ऐलान हो सकता है। बता दें कि मोदी सरकार आगामी 5 जुलाई को पूर्ण बजट पेश करने जा रही है। दरअसल, मोदी सरकार रियल एस्टेट सेक्टर को मंदी से उबारना चाहती है। इसलिए इस तरह के ठोस कदम बजट में देखने को मिल सकते हैं। इसके अलग-अलग विकल्पों पर वित्त मंत्रालय विचार कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इन विकल्पों में सरकार जिस एक विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रही है वो ये है कि घर खरीदारों को होम लेने के ब्याज दर में और प्रिंसिपल पर टैक्स छूट की सीमा बढ़ा दी जाए। अब कितनी बढ़ाई जाए इसके अलग-अलग रास्ते हो सकते हैं। वित्त मंत्रालय ने रियल एस्टेट संगठनों की संस्था CREDAI से पूछा है कि अभी तक कितने घर हैं जिस पर होम लोन चल रहा है और कितने घर आप तैयार करने वाले हैं उन पर आपका अनुमान है होम लोन होने वाला है, ताकि मंत्रालय यह आकलन ले सके कि टैक्स छूट की सीमा बढ़ाते हैं तो वित्त खजाने पर कितना बोझ आएगा। हालांकि CREDAI ने मांग की थी कि सेक्शन 80 ष्ट के तहत 5 लाख प्रिंसिपल पर सालाना 5 लाख के लिए 5 साल के लिए टैक्स छूट दी जाए और जो ब्याज दर छूट है उसे 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 4 लाख रुपये कर दी जाए। वित्त मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि इतनी बड़ी छूट देना संभव नहीं न हो, लेकिन कितनी छूट दे पाएंगे, इसका आकलन कर रहे हैं।

डीएचएफएल के प्रवर्तकों को हिस्सेदारी की बिक्री से 6,900 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली। कर्ज के बोझ तली दबी कंपनी डीएचएफएल के प्रवर्तक निजी इक्विटी कंपनियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। उन्हें कंपनी में अपनी करीब 50 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री से एक अरब डॉलर (लगभग 6,900 करोड़ रुपए) एकत्र होने की उम्मीद है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। कंपनी के प्रवर्तक वधावन परिवार की डीएचएफएल में करीब 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सूत्रों ने कहा कि निजी इक्विटी कंपनियां लोन स्टार, एयॉन कैपिटल और केकेआर कंपनी के लिए यथोचित परिश्रम कर रही हैं और इस प्रक्रिया के नतीजों के आधार पर वे प्रवर्तकों को हिस्सेदारी की रणनीतिक बिक्री के संबंध में जानकारी देंगी। सूत्रों ने कहा कि हिस्सेदारी की बिक्री से कंपनी अपने कर्ज-इक्विटी अनुपात को काफी कम कर सकेगी और यह कंपनी को फिर से पूरी ताकत के साथ कारोबार शुरू करने में मदद करेगी। कंपनी ने इस संबंध में कोई भी प्रतिक्रिया देने से इनकार किया है। सूत्रों के मुताबिक, प्रवर्तकों ने खुद को प्रबंधन से अलग करने की भी मंशा जताई है।

जोमैटो ड्रोन ने परीक्षण के दौरान 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से की डिलीवरी

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन ऑडरिंग और फूड डिलिवरी प्लेटफार्म जोमैटो ने बुधवार को कहा कि उसने हाइब्रिड ड्रोन का इस्तेमाल कर अपने पहले ड्रोन डिलिवरी का सफल परीक्षण किया है, जिसने फूड पैकेट डिलीवर करने के लिए 10 मिनट में पांच किलोमीटर की दूरी तय की और इस दौरान अधिकतम 80 किलोमीटर प्रति घंटा की गति हासिल की जोमैटो ने आईएएनएस से कहा, 'डीजीसीए द्वारा अनुमोदित दूरस्थ स्थलों में से एक में पिछले हफ्ते ड्रोन का परीक्षण किया गया। इस प्रकार के परीक्षण बेहद दूरस्थ स्थलों में किए जाते हैं, जिसमें खासतौर से इस प्रकार के परीक्षण के लिए ही डिजाइन किया गया है।' हालांकि फूड एग्रीगेटर ने उस सटीक स्थान का खुलासा नहीं किया, जहां ड्रोन ने पैकेट डिलीवर किए। नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा 13 मई को जारी अधिसूचना के मुताबिक, इच्छुक कंपनियों को रिमोटली पॉलोटेड विमान प्रणाली (आरपीएएस)/मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) के एक्सपेरिमेंटल बियॉन्ड विजुअल लाइन ऑफ साइट ऑपरेशंस (बीवीएलओएस) के संचालन के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) जमा करने के लिए कहा गया है। जोमैटो के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपिंदर गोयल ने एक बयान में कहा, फूड डिलीवरी के औसत 30 मिनट को 15 मिनट में बदलने के लिए हवाई मार्ग का सहारा लेना ही इकलौता संभव रास्ता है। सड़कें बहुत तेजी से डिलीवरी के लिए कुशल नहीं हैं। उन्होंने कहा, हम टिकाऊ और सुरक्षित वितरण प्रौद्योगिकी के निर्माण की दिशा में काम कर रहे हैं और हमारे पहले सफल परीक्षण के साथ, ड्रोन द्वारा फूड डिलीवरी अब सिर्फ एक सपना नहीं है। उन्होंने आगे कहा, विनियामक बाधाएं बरकरार हैं और सरकार को इस पर काम करने की जरूरत है, लेकिन तकनीक उड़ान भरने के लिए तैयार है और मुझे भरोसा है कि ड्रोन डिलीवरी जल्द ही सामान्य बात हो जाएगी। जोमेटौ के हाइब्रिड ड्रोन ने पांच किलोग्राम के वजन की डिलीवरी की है, जो कि पूरी तरह से स्वचालित थी।

सूरत नायब श्रमाआयुक्त के कार्यलय को मुख्यमंत्री के हाथों प्रिवेन्शन एवार्ड, सम्मान

सूरत। गुरुवार विश्व बाल मजूरी विरोधी दिवस 2019 की राज्य स्तर गांधीनगर में किये गये समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के हाथों बाल मजूरी रोकने में उत्कृष्ठ योगदान प्रदान करने के लिए सूरत के नायब श्रम आयुक्त के कार्यालय के अधिकारियों को एवार्ड देकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि कार्यालय में एन.जी.ओं. जैसी संस्थाओं के साथ मिलकर पिछले वर्ष में रेल्वे प्लेटफार्म पर ट्रेकिंग कर तथा अन्य स्थलों के 1500 बच्चों को बाल मजूरी में आनै से रोकने हेतु श्रेष्ठ कार्यवाही की गयी थी।

युवक को तीक्ष्ण हथियार से घायल कर तीन अज्ञात फरार

सूरत। गुरुवार को सूरत शहर के महिधरपुरा पुलिस स्टेशन विस्तार में फरियादी राकेश भाई मूलचन्द भाई चौहाण को सबरस गरनाले के पास तीन अज्ञात युवकों ने तीक्ष्ण हथियार से घायल कर फरार हो गये। महधिरपुरा पुलिस सूत्रों के अनुसार राकेश भाई मूलचन्द भाई चौहाण उम्र 30 वर्ष निवासी लम्बे हनुमान रोड़ फुटपाथ वराछा सूरत, सेन्ट्रल बस स्टैड सूरत की तरफ पैदल चला हुआ आ रहा था। उसी समय सबरस गरनाले के पास तीन अज्ञात व्यक्तियों ने जिनके नाम पता मालूम नहीं फरियादी के साथे चलते हुए टकराये फिर फरियादी को गंदी गालियों देते हुए वोले सीधे चल इस पर फरियादी के यह कहने पर कि गांलियां क्यों दे रहा है। तीनों व्यक्तियों ने उत्तेजित होकर मारना शुरु कर दिया। फरियादी के पुतिकार के बाद उन तीन में से अक तीक्ष्ण हथियार से फरीयीद के गला, दाहिने गला, बाये हाथ का पंजा पर अगूठे की नीचे घायल कर दिया तथा खून निकलता देख तीनों वहां से फरार हो गये। महिधरपुरा पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच कार्यवाही शुरु कर दी है।

पिछले दशक में 11 माध्यमिक विद्यालय एवं 4 कालेजों का निर्माण कर शिक्षा के क्षेत्र में मांगरोल विधान सभा क्षेत्र की कायापलट: गणपतसिंह वसावा

आमली-दामड़ा की मोडेल स्कूल शहर समकक्ष शिक्षण संस्था

सूरत। गुरूवार वन ओर आदिजाति मंत्री गणपत सिंह वसावा के हाथ उपरपाड़ा तालुका के आमली-दामडा गाम में राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय माध्यमिक सिक्षा अभियान के तहत 6 करोड़ के खर्च से नवनिर्मित आधुनिक मोडेल स्कूल एवं गर्ल्स होस्टेल का लोकापर्ण किया गया।

इस अवसर पर मंत्री गणपत वसावा ने बताया कि उमरपाडा तालुका में नमूनेदार एवं आधुनिक विद्यामंदिर सरकार का राज्य सरकार ने आदिवासी विस्तार के बालकों हेतु घर आंगन में शिक्षा की व्यवस्था तैयार की है। यह माडेल विद्यालय एवं होस्टेल पीने हेतु शुद्ध पानी के लिये चार आर.ओ. मशीन सोलर सिस्टम, रिसर्च रूम, सायन्स लैब लाइब्रेरी कम्प्युटर रूम जैसी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्ज है। जो शहर की समकक्ष शिक्षण संस्था की आवश्यकता पूरी करेंगा। गर्ल्स होस्टेल की सुविधा कन्या शिक्षण हेतु सुरक्षित एवं उपयुक्त रहेगा।

शिक्षित व्यक्ति दुनिया जीत सकता है यह बात आदि जाति विकास मंत्री ने कही तथा बताया कि रुपये पैसे दागीना, माल मिल्कत की चोरी हो सकती है परन्तु शिक्षा की चोरी सम्भव नहीं है। इसमें न तो कोई हिस्सा ले सकता है न ही इसका कोई भार होता है। आजादी के 60 वर्षों में किसी भी सरकार ने आदि जाति विस्तारों में एक भी सायन्स स्कूल नहीं दी लेकिन वर्तमान सरकार ने पिछले दशक में 11 माध्यमिक विद्यालयों एवं चार कालेजों के निर्माण ने मांगरोल विधान सभा विस्तार की शिक्षा के क्षेत्र में काया ही पलट दी है। जिसके परिणाम स्वरुप पिछले पांच वर्ष में मेडिकल कालेजों में आदि जाति कोटा की एक भी सीट खाली नहीं रहती है यह गर्व की बात है। मंत्री ने कहा यह विद्यालय एवं होस्टेल ग्राम जनों तालुकावासियों की साझी मिलकत है इसकी सुयोग्य देख रेख रख, विद्यार्थियों को श्रेष्ठ शिक्षा मिलती ऐसे सामूहित प्रयास करने का भी अनुरोध किया।

जिला शिक्षाधिकारी एच.एच. राजगुरु ने प्रसंगोचित उद्‌बोधन में बताया कि उमर पाड़ा बोंकल मांगरोल सहित के आदि जाति विस्तारो में बहुविध शिक्षण संस्थाओं का निर्माण कर के राज्य सरकार ने आदिवासियों के उन्नत शिक्षा की तरफ अग्रसर किया है। भूमिपूजन करेन के बाद थोड़े समय में नव निमिर्त विद्यालय को जनसमर्पित कर उमर पाडा तालूका की आधुनिक सिक्षा संस्था भेंट में दी है। राजगुरु ने शिक्षा के महत्व को समझाकर विद्यार्थियों को सुशिक्षित बन परिवार एवं समाज की उन्नति के वाहक बनने का अनुरोध किया था।

सूरत में कोचिंग में आग लगने का मामला

गुजरात उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से जांच रिपोर्ट मांगी

अहमदाबाद। गुजरात उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से सूरत में एक कोचिंग में आग लगने की घटना की जांच पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। पिछले महीने हुई इस घटना में २२ विद्यार्थियों की मौत हो गई थी। इस मामले की जांच आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) से कराने की मांग को लेकर दायर की गई एक याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एस एच वोरा ने राज्य सरकार को २४ जुलाई तक यह रिपोर्ट जमा करने को कहा है। सूरत में चार मंजिला एक वाणिज्यिक परिसर में आग लगने की घटना में १७ वर्षीय एक लड़की की मौत हो गई थी। लड़की के पिता जयसुख गजेरा ने अदालत में याचिका दायर की है और इसपर भी अदालत ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। गजेरा ने जांच के लिए यह मामला सीआईडी को सौंपने की मांग की है।

उन्होंने परिसर में अवैध निर्माण को कथित तौर पर वैध करने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की है। इस याचिका पर अब २५ जुलाई को सुनवाई होगी। गजेरा ने अपनी याचिका में यह भी कहा, पीड़ितों के परिजन को आशंका है कि इस मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच नहीं होगी और इस घटना के लिये जिम्मेदार अधिकारी छूट जाएंगे। वहीं, पुलिस का कहना है कि जांच में खुलासा हुआ है कि चौथी मंजिल पर फ्लेक्स बैनर और टायर जैसे ज्वलनशील पदार्थ रखे हुए थे जिससे आग तेजी से फैल गई।

अब तक इस घटना के संबंध में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सूरत में २४ मई को सरथाना क्षेत्र में चार मंजिला इमारत तक्षशिला आर्केड में आग लग गई थी, जिसमें एक कोचिंग सेंटर की १८ छात्राओं समेत २२ विद्यार्थियों की मौत हो गई थी।

तूफान की दिशा बदलने से कुछ हद तक राहत

सरकार अलर्ट मोड में, लोगों को सुरक्षित स्थल पर रहने की अपील

वायु तूफान गुजरात के समुद्र तट से नहीं टकराएगा लेकिन भारी बारिश और हवा चलेगी : मौसम विभाग

अहमदाबाद। वायु तूफान को लेकर पिछले तीन दिन से राज्य सरकार काफी सक्रिय है और तूफान पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। एडिशनल चीफ सेक्रेटरी पंकज कुमार और के. कैलाशनाथन ने सुबह में कंट्रोलरुम की मुलाकात लेकर प्रभावित जिले के अधिकारियों के साथ विडियो कॉन्फ्रेंस करके परिस्थिति की जानकारी ली गई। इस मामले में गुरुवार को गुजरात के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी पंकज कुमार ने ट्वीट करके बताया कि राज्य सरकार वायु तूफान को लेकर सावधानी रखी जा रही है। जिन लोगों को शेल्टर होम में भेजा गया है वह वहीं पर रहे यही अच्छा है। लोग सुरक्षित स्थल पर रहे। समुद्र तट के क्षेत्रों में कोई मानवीय गतिविधि नहीं हो यह जरूरी है। हम लगातार अलर्ट पर है।

इस दौरान मौसम विभाग गुजरात के डायरेक्टर जयंत सरकार ने बताया कि, वायु तूफान गुजरात के समुद्र तट से नहीं टकराएगा लेकिन भारी बारिश और तेज हवा चलेगी। जिसकी वजह से खतरा नहीं टला है। फिलहाल तूफान वेरावल से ११० किमी और पोरबंदर से १५० किमी दूर है। तूफान की वजह से समुद्र तट के क्षेत्रों में भारी बारिश होगी। उन्होंने मछुआरों को आगामी तीन दिन समुद्र नहीं जाने की अपील की है। जबकि इसके अलावा मौसम विभाग, अहमदाबाद के के सायन्टीस्ट मनोरमा मोहंती ने बताया कि, वायु तूफान की वजह से दीव, गीर सोमनाथ, जूनागढ़, पोरबंदर और द्वारका के समुद्र तट क्षेत्रों में दोपहर में १३५ से १६० किमी की तेजी से हवा चलेगी।

तूफान की वजह से दक्षिण गुजरात में भी हल्की बारिश होने की संभावना है। तूफान की दिशा बदल रही है फिर भी खतरा अभी भी बरकरार है, क्योंकि सौराष्ट्र के कई क्षेत्रों में भारी बारिश होगी और हवा चलेगी। केटेगरी दो में से एक में तब्दील हुआ वायु तूफान गीर सोमनाथ से दीव होकर आगे बढ़ेगा। हालांकि इस तूफान की १५ जून तक प्रभाव रहने की वजह से मौसम विभाग भी १५ जून तक स्थिति पर नजर रखेंगे। राज्य में ४८ घंटे में भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया गया है।

कमलम में राउंड द क्लॉक कंट्रोल रुम शुरू

राहत कार्यों में जुड़ने कार्यकर्ता को जीतू वाघाणी का आदेश

जीतू वाघाणी गीर सोमनाथ जिले के प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे : भाजपा की प्रदेश बैठकें रद्द करने का भी निर्णय

अहमदाबाद, १३ जून।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जीतूभाई वाघाणी ने गीर सोमनाथ जिले के संभवित प्रभावित क्षेत्रों की मुलाकात की गई। गुजरात में वायु तूफान के पूर्वानुमान की वजह से संभवित प्रभावित लोगों की मदद के लिए आगे आये है। भाजपा के अग्रणी और कार्यकर्ता भी राहत काम के आयोजन और समुद्र तट के क्षेत्रों से लोगों को स्थानांतरण के कामकाज में मददरूप हुए। गुजरात सरकार द्वारा भी प्रशंसनीय काम शुरू किया गया था। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी पिछले ४८ घंटे से परिस्थिति पर कड़ी निगरानी रख रहे है। संभवित विभागों की बचाव कामकाज पर नजर रख रहे है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जीतूभाई वाघाणी ने भाजपा की प्रदेश बैठकें रद्द कर दी और दिल्ली में भाजपा की राष्ट्रीय बैठक में जाने का भी रद्द करके गुजरात के समुद्र तट के संभवित प्रभावित जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं और अग्रणी बचाव कामकाज और वहां के स्थानीय लोगों की सुरक्षा के सेवा कार्य में शामिल होने के लिए आगे आये थे। कमलम में तूफान प्रभावित लोगों को मदद मिले इसके लिए राउंड क्लॉक कंट्रोल रुम की शुरूआत की गई है। संभवित प्रभावित जिलों में भाजपा के कार्यालय में कंट्रोल रुम की शुरूआत की गई थी। राजकोट महानगर के भाजपा कार्यालय में सौराष्ट्र क्षेत्र के लिए कंट्रोल रुम शुरू किया जा चुका है। वाघाणी ने राजकोट में भाजपा कार्यालय में शुरू किए गए कंट्रोल रुम की मुलाकात लेकर कामकाज की समीक्षा की गई। उपस्थित सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को फूड पैकेट, मेडिकल सहायता, राहत कैम्प, स्थानांतरण जैसे मामले में मददरूप होने के लिए मार्गदर्शन दिया गया।

अहमदाबाद शहर के जगन्नाथ मंदिर में भीम अगियारस के अवसर पर लोगों की भीड़ देखने को मिली। मंदिर में भरी मटकी का दान करने की परंपरा यह दिन पर रही है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**